देश व राष्ट के सवार्गिण विकास के लिए प्रशासकों में आये पारदर्शिता-

महामहिम सिद्धू

आईएएस, आईपीएस अधिकारियों सहित प्रशासकों का सम्मेलन प्रारम्भ

आबू रोड, ९ जुलाई, निसं। गोवा के राज्यपाल महामहिम डा० शिवेन्द्र सिंह सिद्धू ने कहा कि देश की प्रशासनिक व्यवस्था जब तक सुदृढ नहीं होगी तब तक समाज का उत्थान नहीं हो सकता। यदि राष्ट् व समाज का सर्वांगिण विकास चाहिए तो उसके लिए जरूरी है कि प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता आये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के ज्ञान सरोवर परिसर में प्रशासक प्रभाग द्वारा 'आध्यात्मिक प्रज्ञा द्वारा सर्व श्रेष्ठता' विषय पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि आज भी प्रशासनिक व्यवस्था में असमानता है। निचले स्तर से लेकर उपरी स्तर तक के अधिकारियों में सुन्दर तालमेल होना चाहिए। महामहिम राजयोग शिक्षा एवं शोध प्रतिष्ठान के प्रशासक प्रभाग द्वारा आध्यात्मिक प्रज्ञा सर्व श्रेष्ठता विषय पर आयोजित राष्ट्यी सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रशासनिक व्यवस्था सवोच्च व्यवस्था है। बिना किसी निर्देशन में सारी व्यवस्थायें चल रही है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हमारी संस्कृति एकता और अखण्डता की है। जहाँ से एक सुन्दर समाज का आगाज होता है। इसलिए में हम सभी प्रशासकों को सदैव एक निमित्तपन का भाव होना चाहिए जिससे किसी भी प्रकार भेदभाव ना हो। दिल्ली के चुनाव आयुक्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राकेश मेहता ने कहा कि हमारे कर्म और हमारे व्यवहार हमारी प्रशासनिक व्यवस्थाओं के अधिकतर समस्याओं के समाधान कर देते है।

प्रशासक सेवा प्रभाग की अध्यक्ष ब्रह्माकुमारी आशा ने कहा कि आज के युग में ऐसे सम्मेलनों की आवश्यकता है जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में निखार आये और आमजन इसमें सहभागी बनकर एक अच्छे समाज की स्थापना हो सके। प्रशासक प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र. कु. अवधेश, मुख्यालय संयोजक ब्र. कु. हरीश ने भी सम्बोधित किया कार्यक्रम का संचालन अहमदाबाद की ब्र. कु. नेहा ने किया। कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन महामहिम राज्यपाल डा. शिवेन्द्र सिंह सिद्धू, ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्तमुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, दिल्ली के प्रदेश चुनावआयुक्त राकेश मेहता, उत्तर प्रदेश के मुख्य श्रमायुक्त सीताराम मीना की उपस्थिति में हुआ। यह सम्मेलन तीन दिन तक चलेगा। जिसमें सम्मेलन के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाओं के दौरान आने वाली समस्याओं तथा चुनौतियों के समाधान के उपाय ढूढने के प्रयास किये जायेंगे।